

(सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

1. बिहारी के काव्य को 'शक्कर की शेरी' किसने कहा है ?
 a) आचार्य रामचंद्र शुक्ल b) पदमासिंह शर्मा
 c) डॉ. नामवर सिंह d) डॉ. शिवदान सिंह चौहान
2. शैतिकालीन कवियों में बिहारी की तुलना किससे की गई है ?
 a) देव b) जनानंद c) सेनापति d) रसलीन
3. 'शिवसिंह सरोज' में कावेवर देव के कितने ग्रंथों का उल्लेख है ?
 a) 70 b) 72 c) 20 d) 22
4. देव कावे के विषय में कॉन-सा कथन असत्य है ?
 a) कावेवर देव शैतिबद्ध कावे हैं ।
 b) ये अनेक आश्रयदाताओं के आश्रय में रहे ।
 c) इनके बीस से अधिक ग्रंथ प्रकाशित हुए हैं ।
 d) इन्होंने नायिका भेद का वर्णन नहीं किया है ।
5. कॉन-सा कारण देव को अधिक प्रभावशाली आचार्य बनने से रोकता है ?
 a) चमत्कार प्रदर्शन
 b) काव्यशास्त्रीय मत विवेचन में विशेषाभास
 c) परम्परागत मान्यताओं का समर्थन
 d) विषय की विविधता
6. शैतिसिद्ध काव्य द्वारा के अन्तिम कावे के रूप में

- a) पजनेस b) बिहारी c) द्विजदेव d) सेनापति

7. " काव्य परम्परा को न मानने वाला काव्य भंडा, शब्द प्रयोग में औचित्य का प्रयोग न मानने वाला काव्य बाधैर, छंददोष से युक्त काव्य पंगु, अलंकार रहित काव्य नग्न और अर्थ रहित काव्य मृतक तुल्य है । " - यह कव्यन किसका है ?

- a) डॉ. वच्चन सिंह b) केशवदास c) बिहारी d) आलम

8. " किसी भी कवि का यश उसकी रचनाओं के परिमाण के हिसाब से नहीं होता, गुण के हिसाब से होता है । मुक्तक कावेता में जो गुण होना चाहिए वह बिहारी के दोहों में चरम उत्कर्ष को पहुँचा है, इसमें कोई संदेह नहीं । " - यह कव्यन किसका है ?

- a) डॉ. वासुदेव सिंह b) रामकुमार शर्मा c) डॉ. गिर्यारन

d) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

9. " केशव अलंकारवादी कवि है । " - यह कव्यन किसका है ?

- a) रामचन्द्र शुक्ल b) वियोगी हारी c) डॉ. नगेन्द्र

d) डॉ. वासुदेव सिंह

10. " ये (जनानंद) साक्षात् रसमूर्ति और वृजभाषा के प्रथम स्तम्भों में हैं । " - यह कव्यन किसका है ?

a) डॉ. राम विलास शर्मा

b) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

c) डॉ. श्याम सुंदर दास

d) पं. हजारी प्रसाद द्विवेदी